अमर उजाला
CITY
बुधवार
1 जुलाई, 09
चंडीगढ़

मिटे रोजगार और डिग्री का अंतर

चंडीगढ़। कोई कह रहा था कि युवाओं को कालेज की डिग्री मिल जाती है लेकिन इससे वे इतने ज्यादा प्रोफेशनल नहीं बन पाते, जिससे उनको रोजगार मिल सके। किसी का मत था कि रोजगार दिलाने के लिए स्कूल के समय से ही बच्चों को तैयार किया जाना चाहिए। मैनेजमेंट क्षेत्र की ट्रेनिंग को बेहतर बनाने पर भी चरचा हुई। मंगलवार को पीएचडी चेंबर ऑफ कामर्स के सेमिनार हाल की गोलमेज के चारों ओर बैठे शिक्षाविदों के बीच इसी बात पर मंथन चल रहा था कि आखिर कैसे शिक्षा और रोजगार के बीच तालमेल बैठाया जाए।

सेमिनार

पीएचडी चेंबर आफ कामर्स में शिक्षाविदों ने किया मंथन

एलीमेंट्स एकेडमिया संस्थान द्वारा आयोजित सेमिनार का उद्घाटन चंडीगढ़ के गृह सचिव रामनिवास ने किया। यहां एलीमेंट्स एकेडमिया के सीईओ निशांत सक्सेना और चंडीगढ़ शाखा के निदेशक रविंद्र कक्कड़ भी मौजूद थे। इस मौके पर निशांत सक्सेना ने कहा कि एलीमेंट्स का फोकस युवाओं को डिग्री कोर्स के दौरान दी जाने वाली शिक्षा और सर्विस इंडस्ट्री के लिए अनिवार्य प्रायोगिक ज्ञान के बीच की दरार को मिटाना है। उनके अनुसार देश में साठ लाख नौकरियां प्रतिवर्ष होती हैं लेकिन नौकरी करने वालों की संख्या 25 लाख तक सीमित है। इसमें भी 13 प्रतिशत ही ग्रेजुएट संगठनात्मक क्षेत्र में नौकरी पाते हैं। गृह सचिव राम निवास ने कहा कि डिग्री हासिल करने के साथ ही अपने क्षेत्र की कुशलता हासिल करना समय की जरूरत है। पीएचडी चैंबर के अध्यक्ष सतीश बगरोडिया और टाटा टेलीसर्विसेज (पंजाब एचपी सर्कल) के सीईओ टीपीएस वालिया ने कहा कि कारपोरेट हाउस को युवाओं की तलाश रहती है। इस मौके पर चंडीगढ़ के सेक्टर-11 गवर्नमेंट कालेज की प्राचार्य प्रोमिला कौशल और पेक के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। **ब्यूरो**